Journal on Banking Financial Services & Insurance Research
Vol. 5, Issue 7, July 2015, Impact Factor: 5.132 ISSN: (2231-4288)
www.skirec.orgEmail Id: skirec.org@gmail.com

Xkkeh.k fodkl esa cSdksa foRrh; lgLFkkvksa dh Hkwfedk
¼jkuh y{ehckbZ {ks=h; xzkeh.k cSd] >k¡lh ftys ds lUnHkZ esa½

MkW0 JhdkUr ;kno
foHkkxk/;{k] vFkZ'kkL= foHkkx
cqUnsy[k.M dkyst] >k¡lhA

भारत गांवों का देश है। देश की आबादी 62-84 प्रतिशत yxHkx 649481 xkoksa esa fuokl djrh gS tks cfu;knh lfo/kkvksa ls ofpr gSA egkRek xka/kh us dgk Fkk fd Hkkjr dh vkRek xkoksa esa fuokl करती है। देश का विकास तभी सही मायने में सम्भव है जब ग्रामीण क्षेत्रों का विकास हो। वर्तमान विश्व मंदी के दौर में भारतीय अर्थO;oLFkk ij enh dk U;wu iHkko xk/kh th d fopkjk dh iष्टि करता है। ग्रामीण क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में कृषि, बागवानी, पशुपालन, मत्स्य पालन एवं क्राफ्ट उद्योग आदि शामिल है bu {ks=ksa dk fodkl fcuk foRrh; lfo/kkvksa dk eg;ksx djk;s lEHko ugh gSA

;|fi Lor त्रता के पूर्व ही ग्रामणी विकास व कृषि विकास में वित्तीय आवश्यकताओं की महती आवश्यकताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिये निकोल्सन को जर्मनी भेजा गया, उन्होने जर्मनी में ग्रामीण वित्तीय संस्थाओं के अध्ययन के पश्चात tks fjikVZ iLrr fd;k mlesa mUgksus ,d okD; esa dgk fd ^^ jQtsu dk <f<;sA** ifj.kkeLo:Ik 1904 esa lgdkjh _.k lfefr dh LFkkiuk dh xbA ,Ik egls fd;k x;k fd ;gh ,d ,slh lLFkk gS tks lEi.k Hkkjr ds xkWo dks _.k dh lfo/kk miyC/k djk ldrh है। ऐसा देखा गया कि स्वतंत्रता के पश्चात Hkh ;g lLFkk xzkeh.k _.k inku करने में सक्षम सिद्ध नहीं हुई। 1969 में 20 व्यवसायिक बैंकों राष्ट्रीयकरण किया x;k vkj 1980 esa 6 O;olkf;d cकों का राष्ट्रीयकरण कि;k x;k vkj mUg xzkeh.k fodkl esa foRrh; lfo/kk miyC/k djkus dk nkf;Ro lkSik x;kA ijUrq ;s cd भी ग्रामीण क्षेत्रों में आवश्यकता के अनुकूल वित्तीय सुविधा miyC/k ugh djk ikbA vr% 02 vDVcj 1975 esa {ks=h; xzkeh.k cSd dh LFkkiuk dh xbA

झाँसी जनपद में 'पंजाब नेशनल बैंक' ने 31 मार्च 1982 मे क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम !!2!! 1976 dh /kkjk &3] mi/kkjk&!!1!! ds vUrxr LFkkfir foRr e=ky; Hkkjr ljdkj dh vf/klpuk l[;k&,Q&1@17@82&vkj0vkj0ch0&11 fnukd 30&03&1982 rFkk Hkkjrh; fjtoZ cd dh vf/klpuk l[;k&vkj0ih0lh0@321@vkb0,l0lh0,y0@311@82 fnukd 31&03&1982 ds }kjk ^^jkuh y{ehckbZ {ks=h; xzkeh.k cd** को बैंकिंग नियमन अधिनियम, 1949 की सूची में समाविष्ट किया x;kA ifj.kkeLo:Ik ^^jkuh y{ehckbZ {ks=h; xzkeh.k cd** dh LFkkiuk gbZ A blls cd dh vf/kdr पूंजी एक करोड़ रूपये है और कुल पूंजी 25 लाख रूपये है। केन्द्रीय सरकार का अंश पूंजी में 50 प्रतिशत, उत्तर प्रदेश सरकार का 15 प्रतिशत और प्रायोजक बैंक पी0एन0बी0 का 35 प्रतिशत हिस्सा gSA

वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार जनपद की कुल जनसख्या 1744931 है। जिसमें 1033171 xzkeh.k vkcknh gS A dqy vkcknh dk 51-6 प्रतिशत साक्षर है। कुल मुख्य कर्मकारों में 46-5 प्रतिशत कृषd ,o 16-6 प्रतिशत कृषि श्रमिक एवं अन्य कृषि सम्बन्धी क्रिया कलापों में संलग्न है। यहां की कार्य शक्ति का लगभग 62 प्रतिशत कृषि पर आधारित है। यहां वर्ष भर में एक gh Qly yh tkrh gSA tuin dh djhc आधी खेती वर्षा पर आधारित है। यहां की मुख्य फसल गेहूँ, चना, eVj] elj] jkbA ljसों, अलसी एवं मूंगफली, सोयाबीन, उर्द, मूंग, तिल है। फसलोत्पादन के साथ–साथ पशु, पक्षी पालन भी पूरक क्रिया–कलापों के रूप में अपनाये जाते है। कृषकों तथा कृषि मजदूरों को इन क्रिया–कलापों ds fy, foRrh; lLFkvksa dk egRoi.kZ ;kxnku gSA bu foRrh; lLFkkvksa esa jkuh y{ehckbZ xzkeh.k cd dh Hkwfedk ljkguh; gSA

v.Mk rFkk dDकुट मांस को बढ़ावा देने हेतु चन्द्रशेखर आजाद कृषि विज्ञान केन्द्र भरारी LFkkfir gSA tuin esa eRL; ikyd fodkl vfHkdj.k Hkh dk;jr gS tks eRL; ikydks dks rduhdh

,o वैज्ञानिक परामर्श के साथ–साथ मत्स्य विकास हेतु मत्स्य पालकों का चयन, मत्स्य तालाबों के पट्टे vkfn dh 0;oLFkk djrk gA

mRRkj iदेश के 36 पिछड़े जिलों में झासी भी एक है। यहां के कुल कार्यशक्ति dk 9-2 प्रतिशत gh vk|kfxd xfrfof/k;k e yxk g ftle 3-4 प्रतिशत पारिवारिक एवं 5-8 प्रतिशत गैर पारिवारिक उद्योगों में लगा है। जनपद में कृषि उत्पादन के लिए फसली ऋण एक महत्वपूर्ण निवेश है क्योंकि कृषकों की क्रय शक्ति कम होने के कारण वे समुचित मात्रा में बीज, उर्वरक व कीटनाशkd nokvk dk mi;kx ugh dj ikrA Qlyh _ण उपलबध कराने के लिए विकास खण्डों एवं कृषि विभाग द्वारा lfØ; ;kxnku fd;k tkrk gA ;|fi 0;kolkf;d cdk }kjk Hkh bu dk;k d fy, _.k dh lfo/kk प्रदान की जाती हैं। रानी लक्ष्मीबाई क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक द्वारा फसली ऋण का लक्ष्य वर्ष 2005–06, 2006&07 ,o 2007&08 में क्रमशः 114850 हजार, 169160 हजार, 190537 हजार रूपये व उपलबध क्रमशः 164883 हजार, 177976 gtkj rFkk 197343 gtkj :lk; g tk fd y{; l vf/kd gA vkj0vkj0ch0 >kसी की कृषि के ऋण में यह एक सराहनीय प्रयास है। इसी प्रकार इन्हीं वर्षो में कुल कृषि में bl cd का लक्ष्य वर्ष 2005–06 एवं 2006–07 में क्रमशः 131150 हजार, तथा 188720 हजार रूपये की अपेक्षा उपलब्धि क्रमशः 185955 तथा 190858 हजार रूपये रहा है किन्तु वर्ष2007–08 में लक्ष्य 214165 gtkj dh ryuk e miyfC/k 207494 gtkj :lk; jgk g tk fd y{; l de gA

वर्ष 2008–09 में आर0आर0बी0 झाँसी द्वारा कृषि क्षेत्र के लिए 6025 खातों के माध्यम से 214190 gtkj :lk; forfjr fd; x;A tcfd blh vof/k e nX/k fodkl d fy, Hklk dh [kjhn के लिए तथा बकरी पालन व ग्रामीण कामगारों के लिए क्रमशः 335, 385 व 11 खातों के माध्यम से क्रमशः 8580 gtkj] 9495 gtkj o 200 gtkj :lk; forfjr fd; x;A mi;Dr vkdMk l ifjyf{kr होता है कि आर0आर0बी0 झाँसी केवल, कृषि क्षेत्र ही नही वरन् अन्य क्षेत्रों में भी ऋण सुविधा मुहैया djkdj {k= e jktxkj dk ltu ,o vk; e of) d fy, egRoi. Hkfedk fuHkk jgk gA bld बावजूद जिन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए इस बैंक की स्थापना हुई उसकी पूर्ति करने में यह बैंक पूर्णतः l{ke fl) ugh gb gA bld db dkj.k ftle e[; bl idkj g&

1- Lkgh ykHkkfFkk;k dk cfdx dk; i)fr d Kku d vHkko d dkj.k bldh lfo/kkvk l ofpr gkukA
2- bld depkfj;k ,o vf/kdkfj;k dk vlg;kxkRed iofRrA
3- योग्य एवं ग्रामीण बैंकिंग में प्रशिक्षित कर्मचारियों का अभाव।
4- ; cd vif{kr fu{ki ,df=r ugh dj ik; gA Qyr% gkfu e py jg gA
5- vkj0vkj0ch0 >kl h cfdx fof/keyr% xkeh.k <kp d vudy ugh gA
6- fn; x; _.kk d mi;kx e lk;o{k.k dh dehA
7- वसूली के लिये पूर्ण प्रयास न किया जाना तथा वसूली मशीनरी का अपर्याप्त होना।
8- jktuhfrd ,o ljdkjh gLr{ki dk gkukA

bld vfrjDr vuRiknd dk;k d fy, _.k dk xyr 0;fDRk;k dk p;u vkfn ,l समस्याएं है जो इनके उद्देश्यों की पूर्ति में बाधक है।

l>ko %&

1- {k=h; xkeh.k cd vkj {k=h; lgdkjh lfefr e leUo; LFkkfir fd;k tkuk pkfg,A
2- बैंक प्रबन्धन को ऋण वितरण के पश्चात् इसके उपयोग पर ध्यान nuk pkfg,A
3- vfrn;k dk de dju dk i;kl fd;k tkuk pkfg,A
4- चुने गये ऐसे ऋणी के विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करना जिन्हें ऋण भुगतान क्षमता हो।
5- vkj0vkj0ch0 dk lk/kuk dk fu;ktu djr le; ykHknk;drk d lkFk&lkFk lkekftd ,o आर्थिक उद्देश्य dk Hkh /;ku j[kuk pkfg,A

Journal on Banking Financial Services & Insurance Research
Vol. 5, Issue 7, July 2015, Impact Factor: 5.132 ISSN: (2231-4288)
www.skirec.orgEmail Id: skirec.org@gmail.com

निष्कर्ष :–

{k=h; xkeh.k cd xkehण क्षेत्र के ऐसे लघु सीमान्त और मध्य वर्गीय कृषकों तथा भूमिहीन मजदूर जो महाजनों से अपने ऋण की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं और ऊँची ब्याज दर के कारण वे ऋण दुष्चक्र में फंसकर रह जाते है। इस समस्या से निजात पाने के लिए यह बैंक स्थापना के पश्चात से ही कषकों को बीज, खाद, सिंचाई] cल, ट्रेक्टर, कृषि पर आधारित उद्योगों जैसे–दुग्ध 0;olk;] exh ikyu] eRL; ikyu] lvj ikyu] HkMikyu] cdjh ikyu] vkj y?k ,o dVhj m|kx के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष अंशदान योजना के माध्यम से ऋण वितरित करती रही हA

bl cd }kjk forfjr fd; x; _.kk dh ek=k e fujUrj of) gb g QyLo:Ik xkeh.k {k= के कृषकों, मजदूरों तघा लघु एवं कुटीर उद्यम कर्ताओं के रहन–सहन के स्तर में वृद्धि हुई है। रोजगार d u; vk;ke iklr g; gA

bl cd dk xkeh.k {k= dh c<rh हुई ऋण की आवश्यकताओं को देखते हुये नावार्ड को इन्हें और अधिक पूंजी उपलब्ध कराने की आवश्यकता है तथा स्वयं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक को भी अपनी पूंजी c<ku dk i;kl okfNr gA vukoश्यक सरकारी तथा राजनैतिक हस्तक्षेप oftr gkuk pkfg,A cd vf/kdkjh ,o deचारियों को सही लाभार्थी की पहचान की आवश्यकता है और इन्हें le;≤ ij सहयोगात्मक भाव से पर्याप्त ऋण उपलब्ध कराना आवश्यक है।

vc वह दिन दूर नही है कि क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अपने मूल उद्देश्यों की vkj vxlj gkrk हुआ बैंकिंग जगत में एक आदर्श प्रस्तुत करेगी और ग्रामीण शोषित, पीड़ित जनता के लिये वरदान fl) gkxhA

lUnHk xUFk lph %&

1- https://sbi.co.in regional rural banks {k=h; xkeh.k cd &,l0ch0vkb0
2- https://hi.m.wikipedia.org7wiki xkeh.k cd&fofdihfM;k] xkeh.k cd &ekgEen ;ul
3- जिला कृषि अधिकारी कार्यालय
4- jkuhy{ehckb {k=h; xkeh.k cd] >klhA
5- चन्द्रशेखर आजाद कृषि विज्ञान केन्द्र , झाँसी।
6- lul 2011
7- nRr ,o lUnje % Hkkjrh; vFk0;oLFkk ,l0 pkUn iकाशन
8- d0oh0 iVल ए0सी0 साह0 एल0डी मिलो : ग्रामीण अर्थशास्त्र] fgeky;k प्रकाशन
9- ;ktuk if=dk & Hkkjr ljdkj